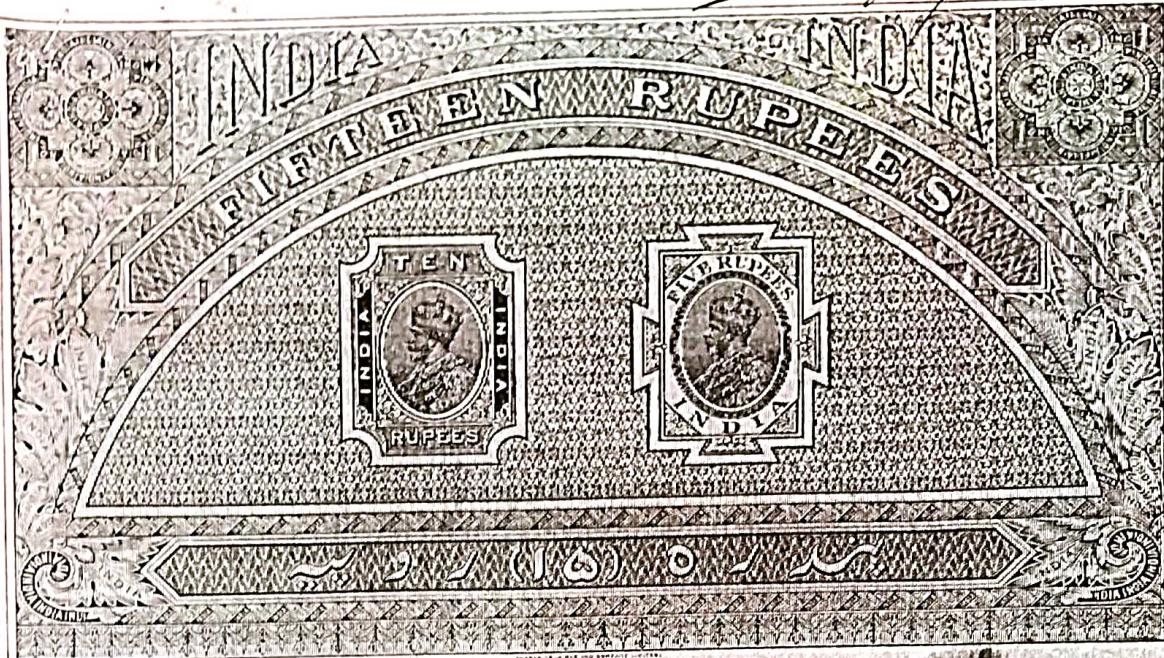


D 1789  
15 RS.



admissible under Rule 23  
duly stamped (exempted from  
Stamp duty) under the Indian  
Stamp Act, 1899, Schedule A  
No. 45 - Fee paid as needed

A 4/6  
R 4/6

Saturday  
22/8/21

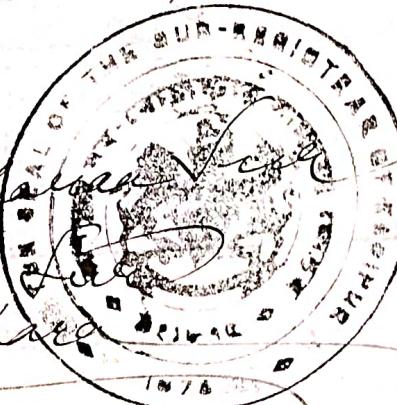
मेरा नाम है राम कुमार जौहरी वर्ष १९२२ में २२ अगस्त को जन्मा।  
जैसे अपने पिता की तरह ही ब्राह्मण हूँ, लेकिन आपकी तरह  
मैं एक अधिक विद्यार्थी हूँ, जिसका उद्देश्य जीवन की सेवा है।

Presented for Registration  
at 2-34 M on the 22nd  
day of August 21 at the  
Cossipore Sub-Registry Office  
by A family by a

Son of late Ben Raji  
of the newspaper  
Thena Caxidevar  
by caste Vaidik  
by profession Service holder

One of the executors

Signature - 22/8/21



Death Certificate  
22/8/21

Execution of the Will by  
the above family a charan was  
dead, our nath lal lal  
late sonal charan of net lal  
place caste go vaidik and  
of amrita nayak basic wedded  
Kuva Lal Pal of sithi mukherjee  
Babu lal lal has mali who  
are went to the village  
Chhata chowki said he  
died at nath khatola region  
of sithi mukherjee  
Brahmin, died.

The 22nd August 21

561

1. Govt. of India -

2. District -

3. Sub-Division -

4. Village -

963

Death Certificate  
22/8/21

962



୧୦. ପରମାନନ୍ଦ ପ୍ରକଳ୍ପିତ ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ପରିଷକ୍ଷଣ ଶକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଏବଂ ପରମାନନ୍ଦ  
ପରମାନନ୍ଦ ପ୍ରକଳ୍ପିତ ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ପରିଷକ୍ଷଣ ଶକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଏବଂ ପରମାନନ୍ଦ  
ପରମାନନ୍ଦ ପ୍ରକଳ୍ପିତ ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ପରିଷକ୍ଷଣ ଶକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଏବଂ ପରମାନନ୍ଦ  
ପରମାନନ୍ଦ ପ୍ରକଳ୍ପିତ ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ପରିଷକ୍ଷଣ ଶକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଏବଂ

ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ପରିଚୟ- ୨୦୩ ଶ୍ରୀ କୃତ୍ତବ୍ୟାକିର୍ଣ୍ଣାନୀ- ସେହିପରିଚୟ-  
ଏହି କରୁଥିଲୁ ଯାଏ କରୁଥିଲୁ କରୁଥିଲୁ କରୁଥିଲୁ କରୁଥିଲୁ- ୧୦୫  
କରୁଥିଲୁ କରୁଥିଲୁ କରୁଥିଲୁ କରୁଥିଲୁ କରୁଥିଲୁ- ୧୦୬

ପରିମାଣରେ ଏକ ୨୦ ଟଙ୍କା ଲାଗୁ ହେବାକୁ ମୁଣ୍ଡ ୧୦୦୦ ଟଙ୍କାରେଇବେଳୁ  
କରିବାକୁ ପରିଚାରିତ କରିଛନ୍ତି

ପ୍ରକାଶ ପାତ୍ରମାନ ପ୍ରକାଶ ୧୨/୧୦୯୦ ମାର୍ଚ୍ଚ ୨୦୧୦ ମହିନେ ୧୨୮୩୭  
ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ବିଷ୍ଣୁ ପାତ୍ରମାନ

ଅନ୍ତରେ ଲୋକ ପାଦରେ ଆମି ଦେଖିଲୁ ଆମି ଶୁଣିଲୁ ଗୋଟିଏଥିଲୁ  
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

१२ वर्षात् ६५ वर्षात् अस्याद् विष्णु-जीवं अस्याद् विष्णु-जीवं अस्याद्  
विष्णु-जीवं अस्याद् विष्णु-जीवं अस्याद् विष्णु-जीवं अस्याद्

१५  
१६  
१७  
१८  
१९  
२०

३४५ वर्षात् अनुभव गम्भीर रूप से लिखा गया है। इसका लिखने का उद्देश्य यह है कि यह एक विश्वास विकास का अध्ययन हो। इसका लिखने का उद्देश्य यह है कि यह एक विश्वास विकास का अध्ययन हो।

३४६

श्री अदित्यानुष्ठानिका  
३४७

श्री अदित्यानुष्ठानिका  
३४८

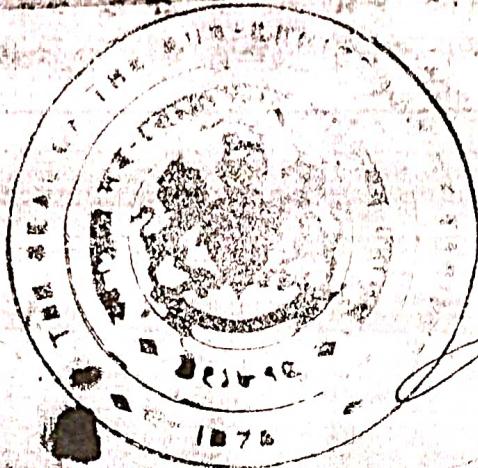
श्री अदित्यानुष्ठानिका  
३४९

श्री अदित्यानुष्ठानिका

श्री अदित्यानुष्ठानिका  
३५०

३५१-३५२-३५३-३५४-३५५-३५६-३५७-३५८-३५९-३६०

श्री अदित्यानुष्ठानिका



New York  
22/8/24

*Approved*  
Book No. T  
Volume No. 1  
Pages 125-128  
String No. 789  
for the year 1921



*Stack D. Davis*  
*Wm. G. Pease*  
*John D. Pease*  
*John D. Pease*